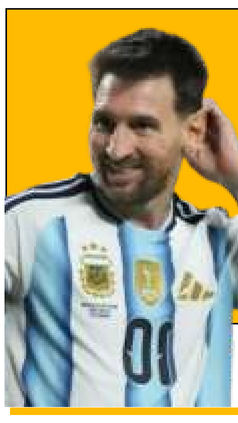

2030 विश्व कप पर मेसी का बड़ा बयान

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अल्फ़ा में रितिक रोशन की झलक फैन्स उत्साहित

Page-05

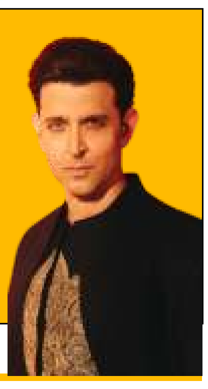

राम मंदिर दान विवाद गहराया

200 किलो चांदीपर उठे सवाल

अयोध्या स्थित राम मंदिर के लिए दिए गए दान को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। सिंधी समुदाय के एक प्रमुख उद्योगपति ने दावा किया है कि मंदिर निर्माण के लिए दान की गई 200 किलोग्राम चांदी की ईंटों का अब तक कोई स्पष्ट हिसाब-किताब सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस दावे के बाद मामले ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस को जन्म दे दिया है।'कासल्स ग्रुप ऑफ कंपनीज' के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डॉ. राजू वी. मनवानी ने आरोप लगाया कि 26 जनवरी 2021 को सिंधी समुदाय की ओर से अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को 200 चांदी की ईंटें सौंपी गई थीं। प्रत्येक ईंट का वजन लगभग एक किलोग्राम बताया गया है। मनवानी का कहना है कि दान सौंपे जाने के दौरान समुदाय को किसी प्रकार की आधिकारिक रसीद उपलब्ध नहीं कराई गई थी।उन्होंने दावा किया कि ट्रस्ट के

प्रतिनिधियों ने उस समय यह कहा था कि चांदी का उपयोग किस कार्य में किया जाएगा, इसका निर्णय बाद में लिया जाएगा। हालांकि, वर्षों बीत जाने के बाद भी समुदाय को इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। इसी कारण अब दान की गई चांदी के उपयोग और उसके रिकॉर्ड को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।दूसरी ओर, ट्रस्ट की ओर से इस विषय पर अभी तक कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के पदाधिकारी मामले से संबंधित तथ्यों की समीक्षा कर रहे हैं और आवश्यक होने पर आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया जा सकता है।इस बीच, विभिन्न सामाजिक संगठनों ने दान से जुड़े मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका कहना है कि धार्मिक संस्थाओं में श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले दान का समुचित रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए, ताकि किसी प्रकार की शंका या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।फिलहाल, यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और सभी की निगाहें ट्रस्ट की संभावित प्रतिक्रिया पर टिकी हुई हैं।

NEET विवाद पर गरमाई राजनीति
खड़गे ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मांगा इस्तीफा

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) को लेकर देशभर में जारी विवाद के बीच राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला बोलते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने में विफल रही है और लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है।सोशल मीडिया मंच एक्स पर किए गए एक पोस्ट में खड़गे ने दावा किया कि केंद्र सरकार के कार्यकाल के दौरान विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगभग 90 बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के कारण लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और युवाओं का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा कमजोर पड़ा है।कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि परीक्षा में गड़बड़ियों और कथित पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों और अभिभावकों की चिंताओं को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों को नजरअंदाज किया गया और सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास किया।खड़गे ने यह भी दावा किया कि NEET विवाद से जुड़े तनाव और निराशा के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया। उन्होंने सरकार से परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।हालांकि, केंद्र सरकार ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि परीक्षा प्रक्रिया में सुधार के लिए तकनीकी उपायों को मजबूत किया जा रहा है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इस मुद्दे ने देश की राजनीति को गर्मा दिया है और विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। आने वाले दिनों में संसद और अन्य राजनीतिक मंचों पर यह मुद्दा प्रमुखता से उठने की संभावना है।

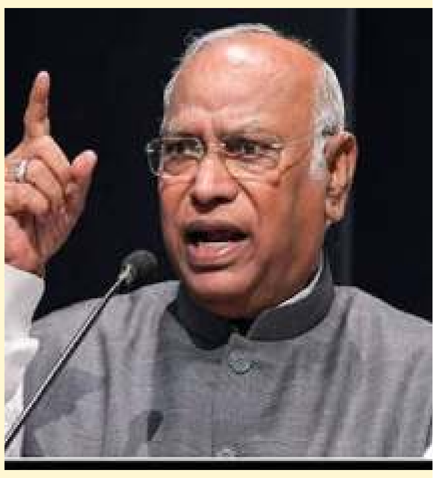

DMK और TVK आमने-सामने
निजी टिप्पणी से भड़की तमिलनाडु की सियासत

तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों सियासी तापमान काफी बढ़ गया है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) और अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) के बीच शुरू हुआ राजनीतिक संघर्ष अब व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गया है। हाल ही में विधानसभा में विपक्ष के नेता और DMK नेता उदयनिधि स्टालिन की एक निजी टिप्पणी के बाद राज्य की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है।विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब TVK प्रमुख और अभिनेता विजय ने विधानसभा में राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर तीखा हमला बोला। विजय ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनता के मुद्दों पर ध्यान देने में विफल रही है और भ्रष्टाचार के मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही है। विजय के इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उदयनिधि स्टालिन ने कथित तौर पर एक निजी टिप्पणी की, जिसे T V K नेताओं ने अपमानजनक और राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ बताया।उदयनिधि की टिप्पणी के बाद TVK ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि DMK राजनीतिक मुद्दों पर जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत हमलों का सहारा ले रही है। TVK ने यह भी कहा कि ऐसी टिप्पणियां लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वस्थ राजनीतिक परंपराओं के अनुरूप नहीं हैं। दूसरी ओर, DMK नेताओं का कहना है कि विपक्ष लगातार सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। उनका दावा है कि सरकार विकास और जनकल्याण से जुड़े कार्यों पर पूरी गंभीरता से काम कर रही है, जबकि विपक्ष केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए राज्य में राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी और अधिक तेज हो सकती है।

ईरान यात्रा को लेकर भारत सरकार सतर्क

मध्य पूर्व में जारी अनिश्चितताओं के बीच भारत सरकार ने अपने नागरिकों के लिए नई सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। यह एडवाइजरी ऐसे समय में जारी की गई है, जब क्षेत्र में हाल के दिनों में कुछ सकारात्मक घटनाक्रम देखने को मिले हैं, लेकिन सुरक्षा स्थिति अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं मानी जा रही है।भारतीय दूतावास ने जारी बयान में कहा है कि हालांकि क्षेत्रीय स्तर पर तनाव कम करने के प्रयास जारी हैं, फिर भी सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए यात्रियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए। दूतावास ने विशेष रूप से उन भारतीय नागरिकों से यात्रा योजनाओं पर पुनर्विचार करने को कहा है, जिनकी यात्रा अत्यावश्यक नहीं है।दूतावास ने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों को स्थानीय प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने और दूतावास के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने की सलाह दी है। साथ ही, नागरिकों से कहा गया है कि वे अपने संपर्क विवरण भारतीय दूतावास के पास अद्यतन रखें, ताकि किसी आपात स्थिति में उनसे तुरंत संपर्क किया जा सके।विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि सरकार क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर लगातार नजर बनाए हुए है। यदि सुरक्षा स्थिति में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है, तो नागरिकों को नई जानकारी और दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर भी पड़ सकता है। इसी कारण कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए यात्रा संबंधी परामर्श जारी किए हैं।भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुजफ्फरनगर में फैक्टरी पर छापा
12 बंधुआ मजदूरों को कराया गया मुक्त

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक पेपर प्लेट निर्माण इकाई से 12 बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया है। यह कार्रवाई तितावी थाना क्षेत्र के मंडी गांव स्थित एक फैक्टरी में की गई, जहां कथित तौर पर नाबालिग बच्चों सहित कई मजदूरों को अमानवीय परिस्थितियों में काम कराया जा रहा था।अधिकारियों के अनुसार, फैक्टरी में बंधुआ मजदूरी कराए जाने की सूचना मिलने के बाद प्रशासन, श्रम विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। जांच के दौरान पाया गया कि फैक्टरी में काम कर रहे कई श्रमिकों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं थे और उन्हें लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। कुछ मजदूरों ने आरोप लगाया कि उन्हें फैक्टरी परिसर से बाहर जाने की भी स्वतंत्रता नहीं थी।मुक्त कराए गए मजदूरों में कई नाबालिग भी शामिल हैं। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि श्रमिकों को पर्याप्त भोजन, उचित वेतन

और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही थीं। अधिकारियों ने सभी मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है, जहां उनके स्वास्थ्य की जांच की जा रही है और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।प्रशासन ने फैक्टरी संचालकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। श्रम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में बंधुआ मजदूरी और बाल श्रम के आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि आज भी कई स्थानों पर आर्थिक मजबूरी का फायदा उठाकर श्रमिकों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे मामलों की नियमित निगरानी करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1

प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद बढ़ा तनाव
परमाणु निरीक्षण को लेकर अमेरिका-ईरान आमने-सामने

हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव चरम पर पहुंच गया था, जिसके बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक प्रयास तेज हुए हैं।अमेरिकी हमलों के बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ गई है।ऐसे में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की संभावित वापसी को पश्चिम एशिया की स्थिरता के लिए अहम माना जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच हालिया सैन्य टकराव के बाद अब दोनों देशों के बीच परमाणु निरीक्षण को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की भूमिका एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान अंतरराष्ट्रीय निरीक्षकों को अपने परमाणु ठिकानों का निरीक्षण करने की अनुमति देने पर सहमत हो गया है। हालांकि, तेहरान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि इस संबंध में अभी कोई अंतिम सहमति नहीं बनी है।दरअसल, हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े सैन्य तनाव के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता इस बात को लेकर बढ़ गई है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम किस स्थिति में है। अमेरिकी हमलों के बाद कई परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई थीं, जिसके बाद आईएईए ने इन स्थलों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने की आवश्यकता जताई है।आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि एजेंसी ईरान के साथ लगातार संपर्क में है और निरीक्षण प्रक्रिया को जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालिया घटनाक्रम के बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्थिति को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हुए हैं, जिनका जवाब केवल स्वतंत्र और निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण से ही मिल सकता है। ग्रोसी ने यह भी कहा कि निरीक्षण प्रक्रिया बहाल होने से क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर भरोसा बहाल करने में मदद मिलेगी।वहीं, अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान के साथ किसी भी व्यापक समझौते का महत्वपूर्ण हिस्सा परमाणु निरीक्षण है। राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान निरीक्षकों को पहुंच देने से इनकार करता है तो अमेरिका वार्ता की मौजूदा प्रक्रिया पर पुनर्विचार कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि पारदर्शी निरीक्षण के बिना किसी भी समझौते को प्रभावी नहीं माना जा सकता।दूसरी ओर, ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं करेगा। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि निरीक्षण की प्रक्रिया देश के हितों और सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही तय की जाएगी। तेहरान का यह भी कहना है कि वह केवल सम्मानजनक और संतुलित समझौते के आधार पर ही आगे बढ़ेगा।इस बीच, पश्चिम एशिया में कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कई देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि परमाणु निरीक्षण को लेकर सहमति बन जाती है तो यह क्षेत्र में स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। हालांकि, दोनों देशों के बीच अब भी कई मुद्दों पर मतभेद कायम हैं, जिससे आने वाले दिनों में यह मामला अंतरराष्ट्रीय राजनीति का प्रमुख विषय बना रह सकता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोपीय संघ का बड़ा कदम, रूस पर नए प्रतिबंधों की तैयारी तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी तेज कर दी है। यूरोपीय देशों का मानना है कि यूक्रेन पर जारी हमलों और युद्ध को देखते हुए मॉस्को पर आर्थिक दबाव बनाए रखना जरूरी है। इस मुद्दे पर ब्रुसेल्स में यूरोपीय नेताओं के बीच लगातार चर्चा चल रही है और जल्द ही प्रतिबंधों के नए पैकेज की घोषणा की जा सकती है।सूत्रों के अनुसार, नए प्रतिबंधों का फोकस रूस के बैंकिंग, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों पर रहेगा। यूरोपीय संघ पहले ही रूस पर कई दौर के प्रतिबंध लगा चुका है, लेकिन सदस्य देशों का मानना है कि युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव बनाए रखना आवश्यक है। इसके साथ ही रूस से जुड़े कुछ वित्तीय संस्थानों और कंपनियों पर भी अतिरिक्त कार्रवाई की जा सकती है।उधर, रूस ने पश्चिमी देशों की इस नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि प्रतिबंधों से यूरोप को भी आर्थिक नुकसान हो रहा है। मॉस्को का दावा है कि पश्चिमी देशों की पाबंदियों के बावजूद रूसी अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है। वहीं यूक्रेन ने यूरोपीय संघ के रुख का स्वागत करते हुए कहा है कि रूस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाए रखना समय की मांग है। युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं, लेकिन अब तक किसी स्थायी समाधान की दिशा में बड़ी प्रगति नहीं हो सकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यूरोपीय संघ नए प्रतिबंध लागू करता है तो इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया की नजरें यूरोपीय संघ की आगामी बैठक और उसके फैसलों पर टिकी हुई हैं।

PM मोदी को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता 5 दिनों तक चलेगा अंतिम संस्कार

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

राजनयिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। पीएम मोदी को मिले निमंत्रण के बारे में नई दिल्ली की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, इस मौके पर कई वैश्विक नेताओं के जुटने की उम्मीद है। 86 वर्षीय अली खामेनेई इस साल 28 फरवरी को तेहरान पर हुए इजरायल और अमेरिकी हवाई हमलों के पहले ही दिन मारे गए थे। वह पिछले 36 वर्षों से इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के शीर्ष पद पर आसीन थे।आधिकारिक सूत्रों और ईरानी मीडिया के अनुसार, अंतिम संस्कार के कार्यक्रमों की शुरुआत 5 जुलाई से होगी। तेहरान के दक्षिण में स्थित पवित्र शहर क़ोम में 7 जुलाई को विशेष शोक सभाएं और रस्में आयोजित की जाएंगी। अली खामेनेई के पार्थिव शरीर को 9 जुलाई को उनके गृहनगर और पूर्वोत्तर ईरान के पवित्र शहर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। हालांकि, इस्लामिक कानून के तहत मृत शरीर को जल्द से जल्द आमतौर पर 24 घंटे के भीतर दफनाना अनिवार्य होता है, लेकिन युद्ध या विशेष परिस्थितियों में इसमें छूट दी जाती है। फरवरी में हुए हमले के बाद से ही उनके अंतिम संस्कार की तारीखों को लेकर अटकलें चल रही थीं। शुरुआती रिपोर्टों में कहा गया था कि उन्हें जून के आखिर में दफनाया जा सकता है, लेकिन बाद में सरकारी मीडिया ने पुष्टि की कि यह जुलाई में होगा। इस अंतिम संस्कार में तेहरान, मशहद और क़ोम मिलाकर लगभग 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। यदि यह आंकड़ा सही साबित होता है, तो यह 1989 में ईरान के इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्लाह खैमेनी के अंतिम संस्कार में उमड़ी 1 करोड़ की भीड़ का रिकॉर्ड तोड़ देगा। इस कार्यक्रम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ समेत कई पाकिस्तानी अधिकारी भी शामिल होंगे।

उत्तर कोरिया ने बढ़ाई परमाणु ताकत नए युद्धपोत के साथ दुनिया को दी चेतावनी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए परमाणु क्षमता से लैस नौसेना के विस्तार का ऐलान किया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने नए 5,000 टन वजनी युद्धपोत को नौसेना में शामिल करने के साथ ही दो और आधुनिक युद्धपोतों के निर्माण की घोषणा की है। इस कदम के बाद कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।सरकारी मीडिया के मुताबिक, किम जोंग उन ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए परमाणु हथियारों और नौसैनिक क्षमता का तेजी से विस्तार करना आवश्यक है। उन्होंने दावा किया कि दुनिया "परमाणु युद्ध के कगार" पर खड़ी है और ऐसे में उत्तर कोरिया को अपनी सैन्य तैयारियों को और मजबूत करना होगा। किम ने यह भी कहा कि उनकी सरकार समुद्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के इस कदम पर चिंता जताई है। विशेषज्ञों का मानना है कि नए युद्धपोतों में परमाणु क्षमता वाले मिसाइल सिस्टम लगाए जा सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। कुछ रक्षा विश्लेषकों का यह भी मानना है कि उत्तर कोरिया को इस परियोजना में रूस से तकनीकी सहायता मिली हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।उत्तर कोरिया पिछले कुछ वर्षों से अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम का लगातार विस्तार कर रहा है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया लंबे समय से प्योंगयांग से परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग करते रहे हैं, लेकिन दोनों पक्षों के बीच वार्ता ठप पड़ी हुई है। ऐसे में उत्तर कोरिया के इस नए कदम ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंताओं को और बढ़ा दिया है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर कोरिया की बढ़ती सैन्य सक्रियता से पूर्वी एशिया में शक्ति संतुलन प्रभावित हो सकता है। आने वाले दिनों में अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान इस मुद्दे पर संयुक्त रणनीति तैयार कर सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय कूटनीति और सुरक्षा समीकरणों में नए बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

अमेरिका में ईरान पर सैन्य कार्रवाई को लेकर घमासान सीनेट के फैसले पर भड़के ट्रंप

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान को लेकर अमेरिका की राजनीति में एक बार फिर तीखी बहस छिड़ गई है। अमेरिकी सीनेट में हाल ही में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति के सैन्य अधिकारों को सीमित करना है। इस प्रस्ताव के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ी नाराजगी जताई है और इसे 'गलत समय पर लिया गया फैसला' बताया है। ट्रंप का कहना है कि ऐसे कदमों से ईरान के साथ चल रही वार्ताओं में अमेरिका की स्थिति कमजोर हो सकती है।सीनेट में पारित प्रस्ताव के तहत ईरान के खिलाफ किसी भी बड़े सैन्य अभियान से पहले कांग्रेस की मंजूरी को आवश्यक बनाने पर जोर दिया गया है। प्रस्ताव का समर्थन करने वाले सांसदों का कहना है कि युद्ध जैसे महत्वपूर्ण फैसलों में संसद की भूमिका सुनिश्चित होनी चाहिए। उनका तर्क है कि इससे अमेरिकी संविधान की मूल भावना मजबूत होगी और सैन्य कार्रवाई पर लोकतांत्रिक नियंत्रण बना रहेगा।वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने सीनेट के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह प्रस्ताव न केवल अनावश्यक है, बल्कि इससे अमेरिका के विरोधी देशों को भी गलत संदेश जाएगा। ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका और ईरान के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत जारी है, ऐसे समय में इस तरह के राजनीतिक कदम से कूटनीतिक प्रयास प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे का राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया।अमेरिका और ईरान के बीच हाल के दिनों में परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और प्रतिबंधों को लेकर बातचीत जारी है। दोनों देशों के बीच पिछले सप्ताह एक प्रारंभिक समझौता भी हुआ था, जिसके बाद तनाव कम होने की उम्मीद जताई जा रही थी। हालांकि, अमेरिकी घरेलू राजनीति में जारी मतभेदों ने इस प्रक्रिया को और जटिल बना दिया है।विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान नीति को लेकर अमेरिका के भीतर बढ़ता राजनीतिक विभाजन आने वाले समय में पश्चिम एशिया की कूटनीति को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में वॉशिंगटन की आंतरिक राजनीति पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं।

संपादक की कलम से

युवाओं का भविष्य और व्यवस्था की जिम्मेदारीदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं, भर्ती प्रक्रियाओं और रोजगार के मुद्दे एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक, भर्ती में देरी और चयन प्रक्रियाओं से जुड़े विवादों ने लाखों युवाओं की उम्मीदों को प्रभावित किया है। यही कारण है कि जब भी यह मुद्दा उठता है, उसे व्यापक जनसमर्थन और राजनीतिक महत्व दोनों प्राप्त होते हैं।भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यह स्थिति हमारे लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और नवाचार क्षमता देश के विकास को नई गति दे सकती है। चुनौती इसलिए कि यदि उन्हें समय पर शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर नहीं मिले तो निराशा और असंतोष बढ़ सकता है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि उसके युवा अपने भविष्य को लेकर कितने आश्वस्त हैं।पेपर लीक की घटनाएं केवल एक परीक्षा को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा देती हैं। वर्षों तक कठिन परिश्रम करने वाले अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा रद्द होना या परिणामों पर विवाद खड़ा होना मानसिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से बड़ी क्षति है। यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास से जुड़ा विषय है। इसलिए ऐसी घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई, दोषियों के खिलाफ कठोर दंड और पारदर्शी जांच आवश्यक है।सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं को अधिक सुरक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। डिजिटल निगरानी, कड़े कानून और परीक्षा प्रबंधन में सुधार जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि इन उपायों का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देगा जब अभ्यर्थियों को निष्पक्ष और समयबद्ध व्यवस्था का अनुभव होगा। दूसरी ओर विपक्ष का दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देकर समाधान की दिशा में योगदान देना भी है।आज आवश्यकता इस बात की है कि रोजगार, शिक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखा जाए। युवाओं का विश्वास किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी होता है। यदि यह विश्वास मजबूत रहेगा तो देश की विकास यात्रा भी मजबूत होगी। इसलिए सरकार, राजनीतिक दलों और संस्थाओं को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जिसमें प्रतिभा को अवसर मिले और परिश्रम का सम्मान सुनिश्चित हो सके।युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व है।

कांग्रेस का 'छात्रों की गूंज' अभियान शुरू शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग तेज

कांग्रेस का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी जैसी घटनाओं ने लाखों युवाओं को प्रभावित किया है। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने में विफल रही है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश में शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस ने 'छात्रों की गूंज' नाम से राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करते हुए केंद्र सरकार पर छात्रों और युवाओं की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा है कि लगातार सामने आ रही परीक्षा संबंधी अनियमितताओं ने देश की शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी जैसी घटनाओं ने लाखों युवाओं को प्रभावित किया है। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने में विफल रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश के छात्र वर्षों तक कठिन मेहनत करते हैं, लेकिन परीक्षा प्रणाली में खामियों के कारण उनका भविष्य अधर में लटक जाता है।अभियान के तहत कांग्रेस देशभर में प्रेस वार्ता, छात्र संवाद, पदयात्रा और जनसभाओं का आयोजन करेगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि वे शिक्षा से जुड़े मुद्दों को गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचाएंगे, ताकि छात्रों और अभिभावकों की आवाज राष्ट्रीय स्तर पर बुलंद हो सके। कांग्रेस ने यह भी घोषणा की है कि वह संसद के भीतर और बाहर इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी।कांग्रेस महासचिवों और वरिष्ठ नेताओं ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए व्यापक नीति की जरूरत है। पार्टी ने मांग की है कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही भर्ती परीक्षाओं को समयबद्ध तरीके से आयोजित करने की भी मांग की गई है।वहीं, भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को राजनीति से प्रेरित करार दिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार शिक्षा क्षेत्र में लगातार सुधार कर रही है और परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित तथा तकनीक आधारित बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस छात्रों के मुद्दों का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है।हालांकि, कांग्रेस अपने अभियान को लेकर आक्रामक नजर आ रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युवाओं और शिक्षा के मुद्दे को लेकर शुरू हुआ यह अभियान आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बन सकता है।

मध्य प्रदेश में जमीन सौदे को लेकर सियासत तेज, विपक्ष ने सरकार को घेरा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य प्रदेश की राजनीति में कथित जमीन सौदों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के परिवार से जुड़े कथित भूमि खरीद मामलों को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सड़क और विकास परियोजनाओं से जुड़े क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जमीन की खरीद-फरोख्त की गई, जिसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। इस मुद्दे को लेकर राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जिन क्षेत्रों में सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाएं प्रस्तावित थीं, वहां पहले से जमीन खरीदे जाने की खबरें सामने आई हैं। विपक्ष का आरोप है कि यदि इन मामलों में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो इसकी जांच स्वतंत्र एजेंसी से कराई जानी चाहिए। कांग्रेस ने पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा कि सरकार को पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी तथ्यों को सार्वजनिक करना चाहिए।वहीं, भारतीय जनता पार्टी और राज्य सरकार ने विपक्ष के आरोपों को पूरी तरह निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस बिना तथ्यों के केवल राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। सरकार का दावा है कि सभी जमीन सौदे पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत हुए हैं और किसी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई है।मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़े इस विवाद ने प्रदेश की राजनीति को गर्मा दिया है। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाने की तैयारी कर रहा है, जबकि भाजपा इसे राजनीतिक साजिश करार दे रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह विवाद लंबा खिंचता है तो आने वाले समय में यह राज्य की राजनीति का प्रमुख मुद्दा बन सकता है। हालांकि अभी तक किसी जांच एजेंसी ने इस मामले में कोई आधिकारिक निष्कर्ष नहीं दिया है, लेकिन राजनीतिक बयानबाजी ने इस मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है। आने वाले दिनों में इस मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति में और अधिक हलचल देखने को मिल सकती है।

बिहार में राजद को लग सकता है बड़ा झटका सिवान में पार्टी नेताओं के भाजपा में जाने की अटकलें तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार की राजनीति में एक बार फिर दलबदल की अटकलों ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। राज्य के सिवान जिले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कई नेताओं और पदाधिकारियों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में होने की चर्चा ने राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, राजद के कुछ स्थानीय नेता जल्द ही भाजपा का दामन थाम सकते हैं। हालांकि अभी तक किसी बड़े नेता के नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस तरह की अटकलों ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है।सिवान को लंबे समय से राजद का प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। ऐसे में यदि पार्टी के प्रभावशाली नेता भाजपा में शामिल होते हैं तो इसका असर न केवल जिले की राजनीति बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर भी पड़ सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी तैयारियों के बीच दलबदल की ऐसी खबरें राजनीतिक दलों की रणनीतियों को प्रभावित कर सकती हैं।भाजपा नेताओं का दावा है कि राज्य में राजद के कई नेता और कार्यकर्ता पार्टी की कार्यशैली से असंतुष्ट हैं और वे भाजपा की नीतियों तथा नेतृत्व से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। भाजपा का कहना है कि आने वाले दिनों में कई और नेता पार्टी का दामन थाम सकते हैं, जिससे बिहार की राजनीति में नए समीकरण बनेंगे।दूसरी ओर, राजद ने इन अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि राजद पूरी तरह एकजुट है और भाजपा केवल राजनीतिक भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। राजद का दावा है कि पार्टी संगठन मजबूत है और कार्यकर्ता नेतृत्व के साथ मजबूती से खड़े हैं। पार्टी ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही इस तरह की अफवाहें फैलाना विपक्ष की पुरानी रणनीति रही है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आने वाले दिनों में दलबदल और नए राजनीतिक समीकरणों की खबरें लगातार सामने आ सकती हैं। ऐसे में सभी दल संगठन को मजबूत करने और अपने जनाधार को बनाए रखने में जुटे हुए हैं। फिलहाल सभी की नजरें सिवान के राजनीतिक घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं, जहां से किसी बड़े राजनीतिक बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

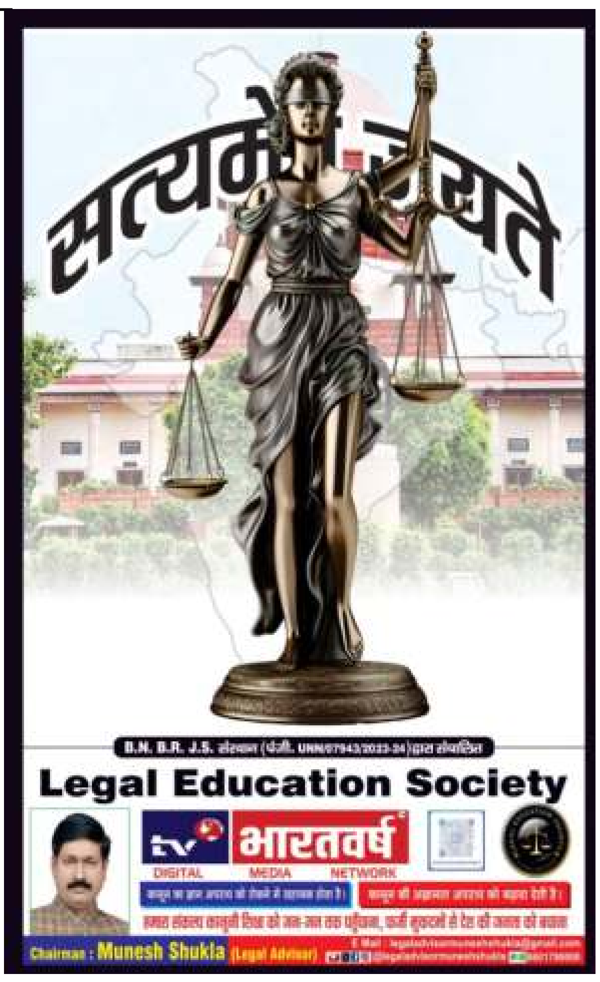

सीयूईटी-यूजी 2026 में देविना गहलोत बनीं ऑल इंडिया टॉपर सफलता का मंत्र बताया

कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) 2026 के नतीजे घोषित होने के बाद देशभर में सफल छात्रों की चर्चा हो रही है। इस बार दिल्ली की देविना गहलोत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की है। लाखों अभ्यर्थियों के बीच शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली देविना ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित पढ़ाई, सही रणनीति और सकारात्मक सोच को दिया है। उनकी उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि उन लाखों छात्रों के लिए भी प्रेरणा बन गई है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।परिणाम घोषित होने के बाद मीडिया से बातचीत में देविना ने बताया कि उन्होंने परीक्षा की तैयारी के दौरान किसी विशेष दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि सीयूईटी जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल लंबे समय तक पढ़ाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषयों को गहराई से समझना अधिक महत्वपूर्ण होता है। देविना ने बताया कि उन्होंने अपनी तैयारी के दौरान एनसीईआरटी की पुस्तकों पर विशेष ध्यान दिया और मूल अवधारणाओं को मजबूत बनाने का प्रयास किया।देविना के अनुसार, उन्होंने पढ़ाई के लिए एक व्यवस्थित समय-सारिणी तैयार की थी और उसी के अनुसार नियमित रूप से अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने प्रत्येक विषय के लिए अलग-अलग समय निर्धारित किया और समय-समय पर स्वयं का मूल्यांकन भी करती रहीं। उनका मानना है कि निरंतर अभ्यास और नियमित पुनरावृत्ति किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी होती है।ऑल इंडिया टॉपर ने यह भी कहा कि छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने मानसिक स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई छात्र परीक्षा के दौरान अत्यधिक तनाव का शिकार हो जाते हैं, जिससे उनकी तैयारी प्रभावित होती है। देविना का कहना है कि लगातार घंटों तक पढ़ाई करने के बजाय बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लेना चाहिए। इससे एकाग्रता बनी रहती है और मानसिक थकान भी कम होती है। उन्होंने छात्रों को सकारात्मक सोच बनाए रखने और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने की सलाह दी।सीयूईटी-यूजी देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित कई प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली प्रमुख परीक्षा है। इस वर्ष भी लाखों छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया। परिणाम घोषित होने के बाद अब विभिन्न विश्वविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया शुरू होने वाली है। छात्र अपनी रैंक और पसंद के अनुसार विश्वविद्यालयों तथा पाठ्यक्रमों का चयन करेंगे।शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि देविना गहलोत की सफलता यह साबित करती है कि सीमित संसाधनों में भी सही रणनीति, अनुशासित अध्ययन और आत्मविश्वास के दम पर बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए रटने के बजाय अवधारणात्मक समझ विकसित करना अधिक आवश्यक है। देविना की उपलब्धि निश्चित रूप से देशभर के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत साबित होगी और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

कक्षा 6 से 10 तक शुरू होंगे एआई और डिजिटल साक्षरता मॉड्यूल

नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत स्कूली शिक्षा को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल साक्षरता और उभरती तकनीकों से जुड़े मॉड्यूल तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इन मॉड्यूल का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से शुरुआती स्तर पर परिचित कराना है, ताकि वे बदलती वैश्विक जरूरतों के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें।शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में रोजगार और उच्च शिक्षा के अधिकांश क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों की भूमिका बढ़ने वाली है। ऐसे में स्कूली स्तर पर ही छात्रों को इन विषयों की बुनियादी जानकारी देना आवश्यक हो गया है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में कोडिंग, डेटा सुरक्षा, साइबर जागरूकता, डिजिटल नैतिकता और एआई के व्यावहारिक उपयोग जैसे विषय शामिल किए जा सकते हैं।एनसीईआरटी के अधिकारियों के अनुसार, इन मॉड्यूल को इस प्रकार तैयार किया जा रहा है कि विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित न रहें, बल्कि गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त कर सकें। इसके लिए परियोजना कार्य, प्रयोग और डिजिटल संसाधनों का उपयोग बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। नई पहल को लेकर शिक्षकों और अभिभावकों ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि प्रारंभिक स्तर पर तकनीकी शिक्षा से छात्रों की रचनात्मकता और समस्या समाधान क्षमता का विकास होगा। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी सुझाव दिया है कि तकनीक आधारित शिक्षा के साथ-साथ स्कूलों में पर्याप्त डिजिटल संसाधन और प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा।

2030 विश्व कप पर मेसी का बड़ा बयान

'अभी बहुत दूर की बात, फिलहाल मेरा पूरा फोकस वर्तमान पर'

फीफा विश्व कप 2026 में रोनाल्डो ने रचा इतिहास

फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उजबेकिस्तान के खिलाफ खेले गए ग्रुप मुकाबले में गोल दागते ही रोनाल्डो विश्व फुटबॉल इतिहास में छह अलग-अलग फीफा विश्व कप में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। 41 वर्षीय रोनाल्डो की इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र महज एक आंकड़ा है और उनका जुनून आज भी बरकरार है।ह्यूस्टन में खेले गए इस मुकाबले में पुर्तगाल ने उजबेकिस्तान को 5-0 से करारी शिकस्त दी। मैच के छठे मिनट में ही रोनाल्डो ने पेड्रो नेटो के

क्रॉस पर शानदार गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद उन्होंने एक और गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ पुर्तगाल ने ग्रुप तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है और नॉकआउट चरण की ओर मजबूत कदम बढ़ाया है।रोनाल्डो ने इससे पहले 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 विश्व कप में भी गोल किए थे। अब 2026 विश्व कप में गोल कर उन्होंने अपने नाम एक और विश्व रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि आने वाले कई वर्षों तक अटूट रह सकती है।मैच के बाद रोनाल्डो ने कहा कि देश के लिए खेलना और विश्व कप जैसे बड़े मंच पर योगदान देना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने टीम के प्रदर्शन की भी सराहना की और कहा कि अभी टूर्नामेंट लंबा है तथा टीम का पूरा ध्यान खिताब जीतने पर है। रोनाल्डो की इस उपलब्धि के बाद दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों और दिग्गज खिलाड़ियों ने उन्हें बधाई दी है। सोशल मीडिया पर भी उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जमकर चर्चा हो रही है। फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल की दावेदारी को मजबूत माना जा रहा है और रोनाल्डो की शानदार फॉर्म टीम के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

DC में पंत की वापसी से खुश अक्षर पटेल, कहा- फॉर्म अस्थायी, क्लास हमेशा कायम रहती है

कप्तान अक्षर पटेल अपने दोस्त और अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत की अगले IPL सीज़न के लिए दिल्ली कैपिटल्स फ़्रैंचाइज़ी में वापसी की घोषणा से बहुत खुश हैं। हाल के IPL इतिहास में खिलाड़ियों के सबसे अहम ट्रेड में से एक में, लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के कप्तान ऋषभ पंत को DC में ट्रेड किया गया है, जबकि कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ जाएंगे। 15 करोड़ रुपये की बदली हुई फ़ीस पर कैपिटल्स में ट्रेड किए जाने के बाद पंत की IPL सैलरी में काफ़ी कमी आएगी। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ की फ़्रैंचाइज़ी से जुड़ने के बाद कुलदीप अपनी मौजूदा 13.50 करोड़ रुपये की फ़ीस पर ही खेलते रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया जिसमें पटेल ने पंत का टीम में स्वागत किया। पटेल ने वीडियो में कहा कि जब वह पहले यहां थे, तो वह मेरे कप्तान थे और मेरी अगुवाई कर रहे थे। उस समय हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था कि 'मैं कप्तान हूं, मैं तुम्हें यह या वह बताऊंगा'। हम आपसी समझ से काम करते थे। उन्हें पता है कि वह एक सीनियर खिलाड़ी हैं, और मुझे पता है कि मैं एक सीनियर खिलाड़ी हूं। हमारी आपसी समझ थी कि किसी खास स्थिति में वह क्या बेहतर कर सकते हैं और क्या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि एक दोस्त और कप्तान के तौर पर, मैं उससे यही कहूंगा कि उसे पता है कि उस पर मेरी या फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। यह उसका अपना घर है; वह यहां कई सालों से खेल रहा है। दिल्ली उसका घर है, इसलिए मुझे उससे ज़्यादा कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है। मैं बस इतना जानता हूं कि कप्तान के तौर पर उसे मेरी तरफ से पूरी आज़ादी मिलेगी। अपनी बात खत्म करते हुए पटेल ने कहा कि बस मज़ा करो। अपने अंदाज़ का मज़ा लो। फ़ॉर्म अस्थायी होती है, क्लास स्थायी होती है। तुम उसी श्रेणी के खिलाड़ी हो। तुम्हें हमारी तरफ से पूरी आज़ादी है। बस अपना खेल खेलो और मज़ा करो। उसके लिए यही संदेश होगा।

एफआईएच प्रो लीग में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया

भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया एफआईएच प्रो लीग का मुकाबला एक बार फिर रोमांच और उत्साह से भरपूर रहा। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर अपनी श्रेष्ठता कायम रखी। इस जीत के साथ भारत ने न केवल महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, बल्कि चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने शानदार रिकॉर्ड को भी बरकरार रखा।मैच की शुरुआत बेहद तेज रही और दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पाकिस्तान ने शुरुआती मिनटों में दबाव बनाते हुए गोल दागकर बढ़त हासिल की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने संयम बनाए रखा और जल्द ही शानदार जवाब दिया। भारतीय टीम ने बेहतरीन पासिंग, तेज आक्रमण और सटीक फिनिशिंग के दम पर मैच में वापसी की। मध्यांतर तक दोनों टीमों के बीच कांटे की

टक्कर देखने को मिली।दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने अधिक आक्रामक रुख अपनाया। कप्तान और अनुभवी खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार पाकिस्तान के रक्षा तंत्र पर दबाव बनाए रखा। भारत ने पेनल्टी कॉर्नर और फील्ड गोल के जरिए बढ़त हासिल की, हालांकि पाकिस्तान ने भी अंत तक संघर्ष जारी रखा। अंतिम मिनटों में पाकिस्तान ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने धैर्य दिखाते हुए टीम को जीत दिला दी। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने मैच के बाद खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि दबाव की स्थिति में टीम ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह आगामी टूर्नामेंटों के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले हमेशा चुनौतीपूर्ण होते हैं, लेकिन खिलाड़ियों ने योजना के अनुसार खेलते हुए शानदार जीत दर्ज की।

1 ‘अल्फा’ ट्रेलर में ऋतिक रोशन की झलक से फैंस उत्साहित

आलिया भट्ट और शरवरी की स्पाई थ्रिलर में ‘कबीर’ के रोल में दिखे अभिनेता

यशराज फिल्म्स की मोस्ट अवेटेड स्पाई थ्रिलर ‘अल्फा’ का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। ट्रेलर में रोमांचक कहानी, दमदार विजुअल्स और धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस ने फैंस के बीच एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ के दबंग अवतार को भी खूब सराहा जा रहा है।

एक्शन अवतार को भी दर्शकों ने खूब सराहा है। फिल्म को 25 दिसंबर 2026 को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म YRF स्पाई यूनिवर्स की और बड़ी कड़ी साबित हो सकती है।

मुंबई, 25 जून (एजेंसी): यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘अल्फा’ का ट्रेलर सोमवार को रिलीज हुआ। ट्रेलर में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ के साथ ऋतिक रोशन की झलक ने फैंस को दीवाना बना दिया। ऋतिक इस फिल्म में ‘कबीर’ के रोल में नजर आएंगे, जो YRF स्पाई यूनिवर्स का अहम किरदार है।

ट्रेलर में शानदार एक्शन, इमोशनल डायलॉग्स और हाई-ऑक्टेन सीन देखने को मिलते हैं। सोशल मीडिया पर #AlphaTrailer और #Kabir ट्रेंड कर रहे हैं। फैंस को फिल्म की कहानी और स्टारकास्ट की केमिस्ट्री बेहद पसंद आ रही हैं।

2 अक्षय कुमार बने सिंगर, ‘वेलकम टू द जंगल’ के गाने को दी आवाज

फिल्म के गाने ‘तेरा पैसा मेरा पैसा’ को गाकर किया डेब्यू, फैंस में जबरदस्त उत्साह

मुंबई, 25 जून (एजेंसी): बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी आगामी फिल्म ‘वेलकम टू द जंगल’ के गाने ‘तेरा पैसा मेरा पैसा’ को अपनी आवाज दी है। इस गाने से अक्षय ने सिंगिंग डेब्यू किया है। गाने की पहली झलक सामने आते ही फैंस के बीच इसे लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

‘वेलकम टू द जंगल’ लोकप्रिय ‘वेलकम’ फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी है, जिसमें कॉमेडी और मनोरंजन का भरपूर डोज देखने को मिलेगा। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ कई बड़े सितारे नजर आने वाले हैं। निर्देशक अहमद खान ने फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया है।

अक्षय ने क्या कहा?

इसे रिकॉर्ड करते समय बहुत मजा आया। यह गाना बहुत एनर्जी से भरपूर है और उम्मीद है कि दर्शकों को भी यह पसंद आएगा। यह मेरे लिए एक नया और यादगार अनुभव है।

– अक्षय कुमार

3 ‘मिर्जापुर: द मूवी’ का नया पोस्टर रिलीज, टीजर का इंतजार

लोकप्रिय फ्रेंचाइज़ी की फिल्म को लेकर फैंस में बढ़ा उत्साह

मुंबई, 25 जून (एजेंसी): क्राइम-ड्रामा की दुनिया की सबसे लोकप्रिय सीरीज ‘मिर्जापुर’ अब बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने बुधवार को ‘मिर्जापुर: द मूवी’ का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है।

पोस्टर में कालीन भैया, गुड्डु पंडित और अन्य प्रमुख किरदारों की दमदार झलक दिखाई गई है। निर्माताओं ने संकेत दिए हैं कि फिल्म का टीजर जल्द ही रिलीज किया जाएगा। सीरीज के तीन सफल सीजन के बाद अब कहानी को बड़े पर्दे पर नए अंदाज में पेश किया जाएगा।

फैंस का मानना है कि ‘मिर्जापुर: द मूवी’ इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक होगी। अब सभी की निगाहें टीजर और रिलीज डेट के ऐलान पर टिकी हैं।

शाहरुख खान की ‘किंग’ की शूटिंग शुरू, सुहाना खान का पहला लुक वायरल

एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म ईद 2027 पर होगी रिलीज

मुंबई, 10 जून 2026। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘किंग’ की शुटिंग मंमलवार से मुंबई में शुरू हो गई है। साउथ के मशहुर विर्वेसक एटली ने विर्देशन में बन रही इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। शूटिंग शुरू होते ही फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। निर्माताओं ने सेट से सुहाना खान की पहली झलक साझा की, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

फोटो में सुहाना एक दमदार और स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। फैंस उनके लुक और आत्मविश्वास की जमकर तारीफ कर रहे हैं। शाहरुख खान फिल्म में एक दमदार भुमिका निभाते दिखेंगे, जबकि सुहाना एक नई और प्रभावशाली किरदार में दिखाई देंगी। एटली की फिल्में अपने भव्य विज़ुअल्स और हाई-ऑक्टेन एक्शन के लिए जानी जाती हैं, इसलिए ‘किंग’ से भी दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं।

फिल्म को रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और एटली के प्रोडक्शन हाउस ने मिलकर बमाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार इसमें कई इंटरनेशानल एकशन सीक्वेंस फिल्माए जाएंगे और कहानी में इमोशन के साथ-साथ दमदार ड्रामा भी देखने को मिलेगा।

फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और इसे विश्व स्तर पर रिलीज करने की योजना है।

फिल्म ‘किंग’ एक नजर में

- निर्देशक : एटली
- मुख्य कलाकार : शाहरुख खान, सुहाना खान
- निर्माता : रेड चिलीज एंटरटेनमेंट
- शूटिंग शुरू : 10 जून 2026
- रिलीज डेट : ईद 2027 (संभावित)

लखनऊ अग्निकांड पर LDA की जांच में बड़ा खुलासा

ध्वस्तीकरण आदेश वापस लेना बनी बड़ी लापरवाही

लखनऊ अग्निकांड में LDA जांच में खुलासा हुआ कि 2014 में आवासीय नक्शा पास भवन 2016 में व्यावसायिक उपयोग में बदला गया। ध्वस्तीकरण आदेश वापस लेने और निरीक्षण न होने को बड़ी लापरवाही मानते हुए कई अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उस कोचिंग सेंटर भवन के निर्माण और ध्वस्तीकरण आदेश से जुड़ी कथित लापरवाही का पूरा विवरण सार्वजनिक करते हुए कहा कि विभागीय आंतरिक जांच पूरी कर ली गई है और इसमें कई अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि संबंधित भवन का आवासीय नक्शा वर्ष 2014 में स्वीकृत किया गया था। हालांकि वर्ष 2016 में भवन स्वामी द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए वहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू कर दी गईं। इस पर एलडीए द्वारा कार्रवाई करते हुए भवन स्वामी को नोटिस जारी किया गया था और नियमों के उल्लंघन के आधार पर भवन को ध्वस्त करने का आदेश भी पारित किया गया था। उन्होंने बताया कि बाद में वर्ष 2016 में ही कुछ परिस्थितियों के चलते यह ध्वस्तीकरण आदेश वापस ले लिया गया था। एलडीए उपाध्यक्ष ने स्वीकार किया कि यह निर्णय उचित प्रक्रिया के अनुरूप नहीं था। उनके अनुसार, ऐसा नहीं होना चाहिए था क्योंकि किसी भी प्रकार के निर्माण या उपयोग परिवर्तन के मामले में जमीनी स्तर पर निरीक्षण और सत्यापन आवश्यक होता है।प्रथमेश कुमार ने स्पष्ट किया कि ध्वस्तीकरण आदेश वापस लेने का आधार भवन स्वामी द्वारा दिया गया एक प्रार्थना पत्र था, जिसमें उसने आश्वासन दिया था कि वह भवन का उपयोग केवल आवासीय उद्देश्य के लिए करेगा। इसी आश्वासन के आधार पर कार्रवाई रोक दी गई, जो कि गंभीर प्रशासनिक चूक साबित हुई है।एलडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि यदि आदेश वापस लिया भी गया था, तो इसके बाद नियमित निरीक्षण और निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। भवन के वास्तविक उपयोग की जांच कर समय-समय पर सत्यापन किया जाना आवश्यक था, लेकिन उस समय जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इसी लापरवाही के कारण स्थिति अनियंत्रित हुई और बाद में बड़ा हादसा सामने आया। इस पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए एलडीए ने विभागीय स्तर पर आंतरिक जांच कराई है, जिसमें कई अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है और उन्हें चिन्हित कर लिया गया है। प्रथमेश कुमार ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विभागीय प्रक्रियाओं को और सख्त किया जाएगा। साथ ही अवैध निर्माण, नियमों के उल्लंघन और ध्वस्तीकरण आदेशों से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस मामले ने एक बार फिर शहरी नियोजन और भवन निर्माण नियमों के अनुपालन को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।फिलहाल एलडीए द्वारा आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है और जिम्मेदारों पर जल्द ही कार्रवाई तय मानी जा रही है।

लखनऊ अग्निकांड: सस्पेंड फायर अफसर के वीडियो वायरल

लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड के बाद 2 वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा कि यह वीडियो सस्पेंड फायर अफसर कमलेंद्र कुमार सिंह का है। पहले वीडियो में जहां वह अपने बड़े अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते दिख रहे हैं, वहीं दूसरे वीडियो में वे अचानक अपनी बातों से पलटते नजर आ रहे हैं। हालांकि, पत्रिका इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में दिख रहें शख्स सस्पेंड FSSO कमलेंद्र सिंह है बताए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक पत्र पढ़ते हुए कहा है कि उनका कार्यक्षेत्र बहुत सीमित है और उनका काम सिर्फ स्थानीय स्तर पर जांच करके रिपोर्ट आगे बढ़ाना है। किसी भी बिल्डिंग को NOC यानी फायर क्लीयरेंस देना या बड़े पैमाने पर सुरक्षा मानक लागू करना उनके अधिकार क्षेत्र में आता ही नहीं है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जिस आवासीय इमारत में यह कोचिंग और पेट क्लिनिक चल रहा था, वह सालों से अवैध रूप से व्यावसायिक रूप में इस्तेमाल हो रही थी और यह बात CFO को पता होनी चाहिए थी। कमलेंद्र सिंह ने CFO को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि आग लगने के बाद दमकल की गाड़ियों को पहुंचने और काम शुरू करने में जो देरी हुई, वह बड़े अधिकारियों की लापरवाही की वजह से हुई। ये निवेदन है कि छोटे अधिकारियों जैसे मेरे विरुद्ध की गई कारवाई पर पुनर्विचार किया जाए। CFO पर कठोर विभागी एवं कानूनी कार्यवाई की जाए।

लखनऊ में ज्वेलर्स को गोली मारकर लूट

लखनऊ। राजधानी के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में बुधवार रात बदमाशों ने एक ज्वेलर्स को गोली मारकर उनसे स्कूटी और गहनों व नकदी से भरा बैग लूट लिया। घायल ज्वेलर्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।घटना रात करीब साढ़े आठ बजे अमेठी कस्बे में हुई। पीड़ित की पहचान सचिन सोनी के रूप में हुई है, जो पटवन टोला के निवासी हैं। उनकी मुंशीगंज रामबाग रोड पर आभूषण की दुकान है। रोज की तरह बुधवार को भी वह दुकान बंद कर स्कूटी से घर लौट रहे थे।डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद के अनुसार, सचिन जैसे ही दुकान से करीब 300 मीटर दूर भवानी मंदिर के पास पहुंचे, तभी दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। इसी दौरान एक अन्य बदमाश भी वहां मौजूद था। तीनों बदमाशों ने मिलकर सचिन से उनकी स्कूटी और बैग छीनने का प्रयास किया।जब सचिन ने विरोध किया तो बदमाशों ने उनके पैर में गोली मार दी। गोली लगते ही वह घायल होकर गिर पड़े, जिसके बाद बदमाश उनकी स्कूटी और गहनों व रुपयों से भरा बैग लेकर मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल भेजा गया। प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को खतरे से बाहर बताया है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने से पहले रेकी की थी। जिस स्थान पर घटना हुई, वहां अंधेरा रहता है, जिससे बदमाशों को वारदात को अंजाम देने में आसानी हुई। मामले में पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिसमें कुछ अहम सुराग मिले हैं। पुलिस टीमों को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा किया जा रहा है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रशासन की सख्त कार्रवाई

लखनऊ में अवैध इमारत में लगी भीषण आग में 15 लोगों की मौत के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) और फायर विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न इलाकों में अभियान चलाकर 12 कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी को सील कर दिया। सील किए गए संस्थानों में कृष्णा नगर और हजरतगंज स्थित, कपूरथला क्षेत्र में बड़े कोचिंग संस्थान शामिल हैं। कार्रवाई की सूचना मिलते ही कई कोचिंग और लाइब्रेरी संचालकों ने अपने सेंटर बंद कर दिए, जबकि छात्र-छात्राएं सड़कों पर भटकते नजर आए। नेशनल पीजी कॉलेज के छात्र आशंकित ने कहा कि वह कोचिंग में दाखिला लेने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन हालिया हादसे ने उनके मन में सुरक्षा को लेकर डर पैदा कर दिया है। इससे पहले एलडीए ने उस इमारत पर ध्वस्तीकरण नोटिस चस्पा किया, जहां आग लगने से 15 लोगों की जान चली गई थी। एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि 7 जुलाई को बुलडोजर चलाकर इमारत को गिराया जाएगा। बताया जा रहा है कि यह बिल्डिंग रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक वीरेंद्र शुक्ला की है। मामले में पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर वीरेंद्र शुक्ला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हादसे के बाद प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाई हुई है। एलडीए के छह अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि 18 अन्य अधिकारियों के खिलाफ शासन को रिपोर्ट भेजकर कार्रवाई की संस्तुति की गई है। लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में कोचिंग संस्थानों और व्यावसायिक इमारतों की सुरक्षा जांच तेज कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

लखनऊ में रोड एक्सीडेंट में बाइक सवार युवक की मौत

बिजनौर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार क्रेटा कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिसके बाद वह अनियंत्रित होकर आगे खड़ी डीसीएम से जा टकराया। मृतक की पहचान बिजनौर थाना क्षेत्र के नटकुर निवासी बलदेव उर्फ शिवम (22) के रूप में हुई है। बलदेव मजदूरी करता था। बुधवार दोपहर करीब 11:30 बजे वह सरोजनी नगर के दरोगा खेड़ा स्थित कानपुर रोड की ओर से किसान पथ होते हुए अपनी बाइक से घर लौट रहा था। गांव के पास किसान पथ पर पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार क्रेटा कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बलदेव की बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर खड़ी एक डीसीएम से जा भिड़ा। इस हादसे में बलदेव की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल से गुजर रहे राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही बिजनौर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। मौके पर पहुंचे परिजन का रो-रोकर बुरा हो गया।

फेसबुक पोस्ट से जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज

इस्लाम छोड़कर सनातन धर्म अपनाने वाले जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर उर्फ सैयद वसीम रिजवी ने एक युवक पर सोशल मीडिया के माध्यम से जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गई है। उन्होंने इसकी सहादतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जान शुरू कर दी है। तुलसीदास मार्ग नक्खास निवासी जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर उर्फ सैयद वसीम रिजवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि हसनपुरिया निवासी शादाब मिर्जा उर्फ बतिष्ठा ने 13 जून को अपने फेसबुक अकाउंट से उनका पुराना वीडियो एडिट कर पोस्ट किया। आरोप है कि पोस्ट में आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। पोस्ट में उन्हें "मुर्तद" कहकर संबोधित किया गया। मुर्तद का मतलब जो इंसान इस्लाम की मान्यताओं को छोड़कर बागी हो जाए उसकी हत्या जरूरी है। वसीम रिजवी ने पुलिस को बताया कि आरोपी की पोस्ट और टिप्पणियों से मुस्लिम समुदाय में उनके प्रति आक्रोश भड़काने का प्रयास किया गया है। उनका आरोप है कि मोहर्रम के दौरान माहौल खराब कर उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा को खतरा पैदा करने तथा शहर की शांति व्यवस्था भंग करने की साजिश रची गई है। जितेंद्र ने बताया कि संबंधित फेसबुक पोस्ट, टिप्पणियों और स्क्रीनशॉट को साक्ष्य के रूप में रखा गया है। इंस्पेक्टर सहादतगंज संतोष आर्या का कहना है कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में कोचिंग सेंटरों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

सुरक्षा मानकों में कमी मिलने पर तीन कोचिंग सेंटर सीज

उन्नाव। लखनऊ में हाल ही में हुए अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत उन्नाव प्रशासन ने बुधवार को कोचिंग सेंटरों पर सख्त कार्रवाई की। सुरक्षा मानकों में गंभीर खामियां पाए जाने पर जिले के तीन कोचिंग संस्थानों को सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई से शहर के कोचिंग संचालकों में हड़कंप मच गया हैउन्नाव विकास प्राधिकरण (यूडीए) के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न कोचिंग सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था, भवन की स्वीकृति, पंजीकरण, आपातकालीन निकास व्यवस्था और विद्युत सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहन जांच की। जांच के दौरान कई संस्थानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई।निरीक्षण में गुरुकुल कोचिंग सेंटर और नजर कोचिंग सेंटर में गंभीर कमियां पाई गईं, जिसके बाद प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से दोनों संस्थानों को सीज कर दिया। इसके अलावा एक अन्य कोचिंग संस्थान पर भी कार्रवाई की गई, जिससे कुल तीन कोचिंग सेंटरों को बंद किया गया है। कार्रवाई के दौरान यूडीए विभाग के जूनियर इंजीनियर कमल दीप सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने मौके पर ही दस्तावेजों की जांच की और सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। जिन संस्थानों के पास फायर एनओसी, भवन मानचित्र स्वीकृति और आवश्यक पंजीकरण नहीं पाया गया, उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए गए।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना सुरक्षा मानकों का पालन किए संचालित हो रहे कोचिंग सेंटरों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्त ने बताया कि जिले में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कोचिंग संचालकों को निर्देश दिया कि वे सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें। यूडीए के अधिकारियों ने भी कहा कि यह अभियान शासन और मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत चलाया जा रहा है। आने वाले दिनों में भी जांच अभियान जारी रहेगा और जो भी संस्थान नियमों का उल्लंघन करते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सख्ती से स्पष्ट है कि अब शिक्षा संस्थानों में सुरक्षा मानकों को लेकर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। वहीं, इस कार्रवाई से अभिभावकों और छात्रों में सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

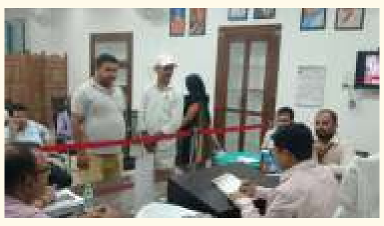

उन्नाव में जनता दर्शन: जिलाधिकारी ने सुनीं जन शिकायतें

उन्नाव में बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जनता दर्शन में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जांच कर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने इस दौरान कई महत्वपूर्ण शिकायतें सुनीं। इनमें रिंकी पत्नी राजेश कुमार निवासी ग्राम वेरी शादीपुर, थाना बेहटा मुजावर के पारिवारिक विवाद में रिपोर्ट दर्ज कराने संबंधी शिकायत शामिल थी। अनिल कुमार सिंह पुत्र रघुराज सिंह निवासी ग्राम रउ करना, विकासखंड सिकंदरपुर सिरोसी ने सार्वजनिक बाजार में अवैध वसूली की शिकायत की। ज्वाला प्रसाद पुत्र रामेश्वर निवासी कल्ली अड़ार मजरा अमेठ नगही, तहसील हसनगंज ने भूमि की पैमाइश कराकर कब्जा दिलाने का अनुरोध किया। अनीता पत्नी रंजन लाल निवासी ग्राम मानपुर परगना मगरायर, तहसील बीघापुर ने चकबंदी न्यायालय में मामला विचाराधीन होने के बावजूद दबंग व्यक्तियों द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत की। रमेश प्रसाद उर्फ रमेश चंद्र निवासी धन्नीपुर माजरा ग्राम हड़हा, तहसील उन्नाव ने अवैध खनन संबंधी प्रार्थना पत्र दिया। महारानीदीन पुत्र शंकर निवासी ग्राम गुलरिया मौरांवा, तहसील पुरवा ने मारपीट किए जाने संबंधी शिकायत दर्ज कराई।

उन्नाव पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

21 महिला पुलिसकर्मियों का हुआ स्थानांतरण

उन्नाव पुलिस विभाग में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक उन्नाव द्वारा जारी आदेश के तहत जिले की 21 महिला पुलिसकर्मियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण कर दिया गया है। यह आदेश बुधवार को पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह द्वारा जारी किया गया। इसमें संबंधित महिला कर्मियों को उनके नाम के सामने अंकित नए थानों में तैनाती दी गई है। सभी स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया गया है कि वे तत्काल नवीन तैनाती स्थल पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करें और इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दें। आदेश के अनुसार, महिला थाना उन्नाव में तैनात कई महिला कांस्टेबलों को जिले के विभिन्न थानों में भेजा गया है। इनमें महिला कांस्टेबल मीता कुशवाहा को थाना बिहार, दीप्ति त्रिपाठी को थाना अचलगंज, गीता देवी को थाना दही, अमिता चौधरी को थाना अजगैन, रुबी सुनिता को थाना गंगाघाट और ममता देवी को थाना पुरवा भेजा गया है। इसी क्रम में राधिका यादव को थाना मौरावां, काजल यादव को थाना असोहा और प्रीति कश्यप को थाना हसनगंज में नई जिम्मेदारी दी गई है। चंद्रकली को थाना बेहटा मुजावर, अर्चना यादव को थाना सफीपुर, नीलम यादव को थाना मौरावां और रंजना यादव को थाना सोहरामऊ स्थानांतरित किया गया है। वंदना यादव को थाना बिहार, स्वाती चौधरी को थाना आसीवन और लक्ष्मी देवी को थाना बीघापुर भेजा गया है। इसके अतिरिक्त, महिला थाना में तैनात मनी त्रिपाठी को थाना गंगाघाट, पूनम चौधरी को थाना एफ-84, मनीषा शर्मा को थाना असोहा और जनकी कुमारी को थाना मौरावां भेजा गया है। थाना अजगैन में तैनात प्रियंका शर्मा का स्थानांतरण पुलिस अधीक्षक कार्यालय किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह स्थानांतरण प्रक्रिया विभागीय जरूरतों और कार्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए की गई है। अधिकारियों ने सभी स्थानांतरित कर्मियों को नई तैनाती पर पूरी जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

उन्नाव में सूने मकान पर चोरों का धावा

लाखों के जेवरात और 50 हजार नकद चोरी

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित कल्याणी देवी मोहल्ले में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया। परिवार के लोग गांव में भण्डारे कार्यक्रम में गए थे, चोर लाखों रुपये के जेवरात और 50 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। घर मालिक के देर रात लौटने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। कल्याणी देवी मोहल्ला निवासी अर्पित किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके सूने मकान की रेकी की और वारदात को अंजाम दिया। चोर घर में घुसकर कमरों और अलमारियों को खंगालते रहे। उन्होंने सोने-चांदी के आभूषणों के साथ घर में रखी 50 हजार रुपये की नकदी भी चुरा ली। देर रात अर्पित जब घर लौटे, तो उन्होंने मुख्य कमरों का सामान अस्त-व्यस्त पाया। अलमारी और अन्य स्थानों पर सामान बिखरा देखकर उन्हें चोरी का संदेह हुआ। जांच करने पर जेवरात और नकदी गायब मिली। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर सुराग जुटाने का प्रयास किया। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस अब चोरों तक पहुंचने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों के अनुसार, फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की जा रही है और चोरी को अंजाम देने वाले गिरोह के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली इंस्पेक्टर सीके मिश्र ने बताया कि जल्द ही घटना का खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्नाव में पुश्तैनी मकान पर कब्जे का प्रयास

उन्नाव के असोहा थाना क्षेत्र के काल्हखेड़ा गांव में पुश्तैनी मकान पर जबरन कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि मंगलवार सुबह कुछ लोग जेसीबी और डंपर लेकर उनके घर पहुंचे और मकान पर कब्जा करने की नीयत से मिट्टी डालने लगे। घर में पुरुषों की गैरमौजूदगी में महिलाओं ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। बुधवार दोपहर करीब बारह बजे पुलिस कार्यालय पहुंचे पीड़ित पीर गुलाम के अनुसार, घटना के समय वह अपनी बीमार सास को देखने के लिए परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। बुधवार सुबह इसी दौरान घर से फोन आया कि कुछ लोग दो डंपर मिट्टी लेकर पहुंचे हैं और मकान को कब्जाने की कोशिश कर रहे हैं। घर पर मौजूद उनकी बेटियों और अन्य महिलाओं ने इसका विरोध किया तो आरोप है कि करीब 20 से 25 लोगों ने उनके साथ मारपीट की। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी हथियारों से लैस होकर आए थे और उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ितों ने हमलावरों में कुलदीप सिंह, साधुरी, माधुरी, रुबी, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद शहीद, मोहम्मद वहीद, आरजू, राजा, पीर मोहम्मद सहित अन्य लोगों के शामिल होने का आरोप लगाया है।

साधु मिलन दास हत्याकांड के बाद प्रशासन की सख्त कार्रवाई

उन्नाव में साधु मिलन दास हत्याकांड के बाद प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। बुधवार दोपहर एक बजे बांगरमऊ क्षेत्र में नगर पालिका प्रशासन ने पुलिस बल की मौजूदगी में सभासद अतीक की तीन बिस्वा जमीन पर किए गए कथित अवैध कब्जे को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई बांगरमऊ-बिल्हौर बाईपास मार्ग स्थित जमीन पर की गई। प्रशासन को शिकायत मिली थी कि सभासद अतीक ने इस तीन बिस्वा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। शिकायत मिलने के बाद नगर पालिका बांगरमऊ की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण और कब्जे को हटाया। गौरतलब है कि साधु मिलन दास की हत्या 9 जून को हुई थी। इस मामले के सामने आने के बाद प्रशासन ने आरोपियों और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। आरोप है कि साधु मिलन दास की हत्या सभासद अतीक के परिसर में ही की गई थी। इसी मामले में प्रशासन पहले भी सभासद के परिसर पर बुलडोजर कार्रवाई कर चुका है। कार्रवाई के दौरान नगर पालिका के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रशासन की टीम ने पूरी प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सियासी घमासान तेज

अखिलेश यादव ने SIT जांच पर उठाए गंभीर सवाल

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सियासत तेज हो गई है। अखिलेश यादव ने SIT जांच पर सवाल उठाते हुए बिना FIR जांच को निष्प्रभावी बताया, बॉर्डर बंद करने की मांग की और दान में गड़बड़ी व सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए।

राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर उत्तर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विशेष जांच दल (SIT) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बिना एफआईआर के चल रही जांच को 'बिना तीर की कमान' बताते हुए इसे निष्पक्षता पर सवाल खड़े करने वाला कदम बताया। अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में कहा कि जिस तरह से चढ़ावा, चंदा और दान से जुड़े मामलों में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं, उससे सनातन धर्म के आस्थावानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण को बेहद गंभीर बताते हुए आरोप लगाया कि मामले की सही तरीके से जांच नहीं हो रही है।सपा प्रमुख ने मांग की कि आरोपियों को फरार होने से रोकने के लिए नेपाल सहित देश के अन्य अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि यदि समय रहते कड़े कदम नहीं उठाए गए तो आरोपी देश छोड़कर भाग सकते हैं, जिससे जांच प्रभावित होगी। अपने बयान में अखिलेश यादव ने एक नया आरोप भी जोड़ा। उन्होंने दावा किया कि मंदिर में दान के रूप में दी गई 'कागभुसुंडि' के गायब होने की खबर सामने आई है, जो अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भगवान के नाम पर दिए गए दान में इस तरह की हेराफेरी आस्था के साथ खिलवाड़ है और इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अखिलेश यादव ने राम मंदिर के खजाने और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी धार्मिक संस्था में दान की वस्तुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी है, लेकिन इस मामले में गंभीर लापरवाही नजर आ रही है। साथ ही उन्होंने SIT की जांच पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब तक मामले में कोई औपचारिक एफआईआर दर्ज नहीं की जाती, तब तक SIT की जांच प्रभावी नहीं मानी जा सकती। बिना एफआईआर के जांच को उन्होंने 'बिना तीर की कमान' बताते हुए तंज कसा कि इस तरह की जांच से सच्चाई सामने आने की संभावना कम है।अखिलेश ने यह भी आरोप लगाया कि SIT का गठन जांच के लिए कम और पूरे मामले को दबाने के लिए अधिक किया गया है। उन्होंने कहा कि जब रोज नए खुलासे हो रहे हैं, तो SIT की कार्रवाई पर भरोसा करना मुश्किल है।इस मुद्दे पर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माता जा रहा है। आने वाले दिनों में इस पर और तीखी बयानबाजी और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिल सकते हैं।

मुरादाबाद में सत्यापन करने पहुंचे पुलिसकर्मियों पर हमला

यूपी के मुरादाबाद जिले के मुंडापांडे थाना क्षेत्र के सिरस खेड़ा गांव में मंगलवार शाम उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब आबकारी एक्ट के तहत सत्यापन की कार्रवाई करने पहुंचे दो पुलिसकर्मियों के साथ कथित तौर पर मारपीट और धक्का-मुक्की की गई। घटना के बाद इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस विभाग में भी हलचल बढ़ गई और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, सिपाही अर्जुन खत्री और राजकुमार मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे सिरस खेड़ा गांव में रहने वाले राधेलाल का सत्यापन करने पहुंचे थे। राधेलाल पहले आबकारी एक्ट से जुड़े एक मामले में जेल जा चुका है। इसी वजह से उसकी गतिविधियों और वर्तमान स्थिति की जांच के लिए दोनों पुलिसकर्मी गांव पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही पुलिसकर्मी उसके घर पहुंचे, वहां मौजूद परिजनों और अन्य लोगों के साथ कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि राधेलाल के परिवार के सदस्यों और कुछ अन्य लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाते हुए मारपीट की। इस दौरान धक्का-मुक्की भी हुई। घटना के दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया और पुलिस अधिकारियों ने इसकी गंभीरता से जांच शुरू कर दी।

उत्तर प्रदेश में मानसून की दस्तक, जल्द होगी बारिश की शुरुआत

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों के लिए राहत की उम्मीद बढ़ गई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अब पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अगले 48 घंटे में इसके यूपी में प्रवेश होने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस दौरान पूर्वी यूपी के गोंडा, बहराइच समेत 16 जिलों में बारिश हो सकती है। इससे तापमान में गिरावट आएगी। लोगों को लंबे समय से चली आ रही गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। : उत्तर प्रदेश में मानसून का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून पूर्वी यूपी की सीमा तक पहुंच चुका है। धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। बिहार की तरफ से आने वाली नमी भरी हवाओं के असर से पूर्वांचल के कई जिलों में मौसम बदलने लगा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बलिया और आसपास के इलाकों में मानसूनी गतिविधियां दिखाई देने लगी हैं। यही संकेत है कि आने वाले दिनों में प्रदेश के अधिक हिस्सों में बारिश का दौर शुरू हो सकता है। इसके चलते लंबे समय से पड़ रही तेज गर्मी और उमस में कमी आने की उम्मीद है। विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती सहित 16 जिलों में तेज हवा चलने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। कई स्थानों पर बादल छाने और मौसम सुहाना होने के भी आसार हैं। बारिश होने पर दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि पूर्वी यूपी के कुछ हिस्सों, खासकर वाराणसी और आसपास के जिलों में अभी दो दिन तक गर्म हवाओं का असर बना रह सकता है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के लिए हीटवेव को लेकर चेतावनी जारी की है। इसके बाद मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

स्वामी प्रसाद मौर्य का विवादित बयान

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। एक बार फिर गाजीपुर की धरती से उन्होंने भगवान राम और बजरंगबली के लिए विवादित टिप्पणी की है, जिसको लेकर राजनीतिक गलियारों में विवाद उत्पन्न होने की संभावना बन गई है। एक तरफ उन्होंने बजरंगबली को एक छोटा सा बंदर करार दे दिया, तो दूसरी तरफ भगवान राम को लेकर भी उन्होंने विवादित बयान दिया है। दरअसल, गाजीपुर में एक छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है कि भगवान राम और हनुमान जी दोनों ही धरती पर ही पैदा हुए थे और ऐसे में जो धरती पर पैदा हुआ है, वह धरती पर ही रहेगा। वहीं, सूर्य पृथ्वी से 13 लाख गुना बड़ा है और पृथ्वी पर पैदा होने वाला एक छोटा सा और मामूली सा बंदर भगवान सूर्य को कैसे निगल सकता है? यह अज्ञानता है और इसी अज्ञानता को खत्म करने के लिए लोग पढ़ाई करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी एक व्यक्ति ने यह शोर मचा दिया कि हनुमान जी ने सूर्य को निगल लिया, उसके बाद लोग इस बात को मानने लगे कि सही में भगवान सूर्य को हनुमान जी ने निगल लिया होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि सूर्य की किरणें जब पृथ्वी पर आती हैं, तो लोग पसीने से भीग जाते हैं और छिपाने की जगह ढूंढने लगते हैं। सूर्य और पृथ्वी के बीच दूरी भी 80 लाख करोड़ किलोमीटर से ज्यादा है और ऐसे में या कैसे संभव हो सकता है कि एक बंदर हवा में उड़कर सूर्य को ही निगल जाए। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध कहते हैं कि यदि कोई बात किताबों में लिखी है तो उसे ऐसे ही मत मानो, बल्कि उसपर पहले गहन चिंतन करो, उसे पर एक्सपेरिमेंट करो और यदि लगता है कि यह बात सत्य है तभी उसे मानो।